शिक्षक ही होता है समाज की रीढ़ की हड्डी : डॉ. अल्का मल्होत्रा

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में शिक्षक दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

महान शिक्षाविद एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में शिक्षक-दिवस एक अनोखे ढंग से मनाया गया। विद्यालय के पूर्व छात्र गौरव वशिष्ठ, छात्रा नेहा बंसल, आरुषि गोयल, हर्षिता गोयल व प्राचार्य बलबीर सिंह ने ज्ञान-दायिनी माँ सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। तत्पश्चात विद्यालय की पूर्व प्राचार्या डॉ. अल्का मल्होत्रा जो कि वर्तमान में मॉरिशस में एक विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं, ने ज़ूम एप के माध्यम से विद्यालय के शिक्षकों से बातचीत की और शिक्षक दिवस पर अपने विचार रखें। अपने उद्‌बोधन में उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज की रीढ़ की हड्डी होता है। अभिभावक बच्चे को जन्म जरूर देते हैं लेकिन शिक्षक ही बच्चे के चरित्र को सुंदर आकार देकर उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाता है। सभी शिक्षक डॉ. अल्का मल्होत्रा को देखकर व उनसे ऑनलाइन बात करके प्रसन्न हुए। इसके बाद पूर्व छात्र-छात्राओं ने शिक्षक दिवस पर अपने-अपने मन के भाव प्रकट किए। गणित आचार्य इंद्रजीत वशिष्ठ ने मंच संचालन कर श्रोताओं को बाँधे रखा। पूरे कार्यक्रम का सीधा प्रसारण फेसबुक-लाइव के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य बलबीर सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी के चलते आज जिंदगी में पहली बार ऐसा देखने को मिला है शिक्षक-दिवस के अवसर पर विद्यालय में सभी शिक्षक हैं, लेकिन बच्चे नहीं हैं। इस बात का बड़ा दुख है। लेकिन कोई बात नहीं, समय के अनुसार ये सब परिस्थितियाँ ठीक हो जाएँगी। साथ ही उन्होंने शिक्षक की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जो शिक्षक, विद्यार्थी की हर गलती को क्षमा करने की भावना रखता है और उसकी हर कमजोरी को दूर कर, उसे सफलता के शिखर तक ले जाता है, वही सच्चा शिक्षक कहलाता है।

पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी को दी श्रद्धांजलि

पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी के निधन पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय प्रबंध समिति के सचिव रमेश बंसल व प्राचार्य बलबीर सिंह ने पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। तत्पश्चात विद्यालय के शिक्षकों ने 2 मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। अपने उद्‌बोधन में सचिव रमेश बंसल ने कहा कि प्रणव मुखर्जी एक महान राजनेता थे। उनके जाने से देश को बड़ी क्षति हुई है। उन्हें अर्थव्यवस्था से लेकर आम आदमी से जुड़े मुद्दों की गहरी समझ थी। उनके योगदान के लिए देश उनका सदैव ऋणी रहेगा। प्राचार्य बलबीर सिंह ने कहा कि राष्ट्र ने एक महान नेता, विचारक और राजनेता खो दिया है। कला आचार्य दीपक कौशिक ने भी इस विषय पर अपने विचार रखे।

मेहनत और अनुशासन से ही मिलती है सफलता : डॉ. कुलदीप मेहंदीरत्ता

यूपीएससी परीक्षा को क्रेक करने के लिए विद्यालय के प्राचार्य बलबीर सिंह के मार्गदर्शन में वेबीनार का आयोजन किया गया। इस वेबीनार में रिसोर्सपर्सन के रूप में चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कुलदीप मेहंदीरत्ता ने बच्चों को यूपीएससी की परीक्षा में सफल होने के सूत्र दिए। उन्होंने कहा हमें अपनी इच्छा शक्ति को प्रबल रखना चाहिए। इच्छा शक्ति हमें सफलता की किसी भी ऊँचाई तक ले जा सकती है। आईएएस बनने के लिए अपने दृढ़ संकल्प पर टिके रहें और अपने भीतर किसी भी प्रकार का वैचारिक असमंजस या संदेह न रखें। अपने ज्ञान के विकास के लिए अन्य स्रोतों से भी सहायता की आवश्यकता होती है इसलिए मार्गदर्शन के लिए अपने सीनियर व विशेषज्ञों से दिशानिर्देश लेते रहें। प्राचार्य बलबीर सिंह ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि आई ए एस परीक्षा में सफलता पाने के लिए समय प्रबंधन की तकनीक सीख कर अपनी उत्पादकता में सुधार करें। परीक्षा में अनुशासित उम्मीदवार ही सफलता हासिल करते हैं। विद्यालय के अनेक बच्चों ने इस वेबीनार में भाग लिया तथा प्रश्न पूछ कर अपनी जिज्ञासा को शांत किया।

बच्चों ने वेबीनार में प्रश्न पूछ कर सफलता का मंत्र लिया

हिन्दी अध्यापिका रमा भारद्वाज का सेवानिवृत्त सम्मान समारोह

रमा जी की ऊर्जा और सक्रियता प्रशंसनीय है : रमेश बंसल

सन् 1985 से प्राथमिक आचार्या के पद पर कार्यरत सुश्री रमा शर्मा सेवानिवृत्त हो गई। इस अवसर पर विद्यालय में भव्य सेवानिवृत्त सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रबंध समिति के सचिव रमेश बंसल, प्राचार्य बलबीर सिंह, सदस्य महावीर मलिक, सुश्री रमा शर्मा व उनके परिवार ने माँ सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलन किया। आचार्या विभा शर्मा व अलका शर्मा ने मंच संचालन कर श्रोताओं को मंत्र-मुग्ध कर दिया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के अनेक वरिष्ठ आचार्य बंधु-भगिनियों ने अपने अपने अनुभव साझा किए।

प्राचार्य बलबीर सिंह ने शिक्षक की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सुश्री रमा शर्मा जी ने अपने जीवन में सदैव शिष्टाचार का पालन किया है। ये 35 वर्ष 1 माह और 7 दिन पूर्व विद्यालय से जुड़ी थी। ये हमेशा विद्यालय के मजबूत स्तंभ की तरह रही हैं, जिन्होंने हमेशा विद्यालय को ऊँचाई पर पहुँचाने का अथक प्रयास

किया है। प्रबंधन समिति के सचिव रमेश बंसल ने कहा कि इस आयु में भी रमा जी की ऊर्जा और सक्रियता प्रशंसनीय है। उन्होंने सुश्री रमा जी के शेष जीवन और बेहतर भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित की। कार्यक्रम के अंत में प्रबन्ध समिति ने सुश्री रमा शर्मा को ग्रेजुएटी के रूप में 6,27,072 रुपए का चेक प्रदान किया।